



तीरंदाजी में स्वर्णम हेटट्रिक, नीरुने फिर दिलाया सोना

एशियाई खेल : पुरुष टीम, महिला और मिश्रित टीम की सुनहरी कामयाबी, दो दिनमें छा गयी नीरु



नागोया (एजेन्सियां)। भारतीय तीरंदाजों ने एशियन गेम्स में बुधवार की सुबह भारत को शानदार तोहफा दिया। कंपाउंड तीरंदाजी के तीनों इवेंट में भारतीय टीम ने स्वर्ण पदक जीत लिया। पुरुष टीम ने फाइनल में चीन को २३८-२३७ से हराकर दिन का तीसरा तीरंदाजी गोल्ड अपने नाम किया। इससे पहले महिला टीम और मिश्रित टीम भी स्वर्ण जीत चुकी थीं। भारत के तीनों खिलाड़ी युवा हैं। २१ वर्षीय कुशल दलाल, २५ वर्षीय साहिल राजेश और २० वर्षीय मणि रत्नम गणेश थिरुमुर की तिकड़ी ने दबाव में धैर्य बनाये रखा और भारत को स्वर्ण दिला दिया। साहिल राजेश, कुशल दलाल और मणि रत्नम गणेश की भारतीय तिकड़ी ने खेल के खिलाफ फाइनल में शानदार जुझारूपन दिखाया। तीन राउंड यानी १८ शाट के बाद भारत एक अंक से पीछे चल रहा था। तब चीन का स्कोर १७७ और भारत का १७८ था। इसके बाद आखिरी राउंड में भारतीय टीम ने मुकाबला पलट दिया। आखिरी

टांडा-किनान ने जीता स्वर्ण पदक



नागोया (एजेन्सियां)। भारत की नीरु ढांडा और किनान चेनाई की जोड़ी ने एशियन गेम्स में शूटिंग के मिक्सड ट्रैप इवेंट में बुधवार को स्वर्ण पदक जीत लिया। भारतीय जोड़ी ने फाइनल में ३४-४० का स्कोर किया, जो एशियन रिकार्ड है। इसके साथ ही भारत ने दिन का तीसरा स्वर्ण पदक अपने नाम किया। नीरु ढांडा के लिए यह एशियन निशानेबाज ने शानदार वापसी की। नीरु और किनान ने अपने प्रदर्शन को लगातार बेहतर किया और फाइनल के अंत तक शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। नीरु और किनान ने फाइनल में ४० में से ३४ निशाने सटीक लगाये। इस प्रदर्शन के साथ भारतीय जोड़ी ने नया एशियन रिकार्ड बनाया। इससे पहले इस स्पर्धा के फाइनल में एशियन रिकार्ड कतर के नाम था। कतर ने इसी साल जनवरी में ३० का स्कोर किया था। फाइनल में कतर ने ३२-४० के स्कोर

के साथ रजत पदक जीता, जबकि चीन ने २३ के स्कोर के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया।

जूडोका अश्मिता डे खाली हाथ लौटेंगी

नागोया (एजेन्सियां)। भारतीय जूडो खिलाड़ी अश्मिता डे बुधवार को यहां एशियाई खेलों के महिलाओं के ४८ किग्रा वर्ग में मंगोलिया की नारात्सेलेग गनबातार के खिलाफ कांस्य पदक मुकाबला हार गयी जिससे वह खाली हाथ लौटेंगी। मौजूदा राष्ट्रमंडल खेलों की चैम्पियन अश्मिता कांस्य पदक मुकाबले में गनबातार के खिलाफ 'वाजा' से हार गयीं। जूडो में 'वाजा' का अर्थ 'तकनीक' या 'कला' होता है। यह इस 'मार्शल आर्ट' और खेल का बुनियादी हिस्सा है जिसमें तकनीक, पकड़ने और जमीन पर मुकाबला करने की तकनीकें शामिल हो सकती हैं। अश्मिता ने हांगकांग चीन की का ली वोंग के खिलाफ रेपेशाज राउंड जीतकर कांस्य पदक मुकाबले में जगह बनायी थी। अश्मिता ने ४-० के गोल्डन स्कोर से 'योको' के जरिए वोंग को हराया। इससे पहले दिन में अश्मिता ने राउंड १६ में वियतनाम की न्गोक ची हा को 'इप्पोन' के जरिये हराया था। वह क्वार्टरफाइनल में फाइनल में पहुंची कजाखस्तान की अंबिबा अबुजाकिनोवा के खिलाफ 'इप्पोन' से हार गयीं। 'इप्पोन' एक ऐसी तकनीक है जिसमें जूडो खिलाड़ी अपने प्रतिद्वंद्वी को पीठ के बल पटक देता है।

भारत स्वर्ण और ओलम्पिक टिकट से एक जीत दूर

नागोया (एजेन्सियां)। भारतीय महिला हाकी टीम ने सेमीफाइनल में दक्षिण कोरिया की कड़ी चुनौती से पार पाते हुए २-० से हराकर एशियन गेम्स के फाइनल में जगह बना ली है। भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन जारी रखा और अब वह स्वर्ण पदक हासिल करने से एक कदम दूर है। अगर भारत एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक जीत लेता है तो वह २०२८ लास एंजेलिस ओलम्पिक के लिए भी क्वालिफाई कर जायेगा। भारत का खिताबी मुकाबले में दो अक्टूबर को चीन से सामना होगा। भारतीय महिला टीम एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक के ४४ साल के इंतजार को खत्म करने के करीब है और उसने इसके लिए एक कदम और बढ़ा लिए हैं। भारतीय महिला टीम ने अभी तक अच्छा प्रदर्शन किया है और वह अजेय है। सेमीफाइनल में पहले दो क्वार्टर में दोनों टीमों एक भी गोल नहीं कर सकीं लेकिन अगले क्वार्टर में



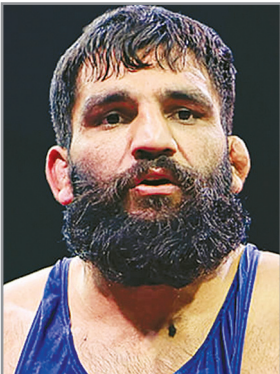
कूछ मिनटों में ही पेनल्टी कार्नर हासिल किया लेकिन इसे गोल में नहीं बदल पाये। इस दौरान कोरिया का अच्छा डिफेंस देखने मिला। भारत ने कोरिया का डिफेंस भेदकर गोल दागने की कोशिश की लेकिन सफलता नहीं मिली। पहले क्वार्टर में भारत को कुल नौ पेनल्टी कार्नर मिले लेकिन एक भी गोल में नहीं बदल सका। पहला क्वार्टर गोलरहित बराबरी पर समाप्त हुआ। दूसरे क्वार्टर में भी यही स्थिति देखने मिली और पहले हाफ तक मुकाबला बराबरी पर ही रहा। दोनों के बीच बेहद ही करीबी मुकाबला चल रहा था। इस दौरान रेफरी ने ३०वें मिनट में बलजीत

सुनील ने जीता लगातार दूसरा कांस्य

कुश्ती निशा दहिया हारी

नागोया (एजेन्सियां)। सुनील कुमार दो एशियाई खेलों में पदक जीतनेवाले भारतके पहले ग्रीको रोमन पहलवान बन गये जिन्होंने बुधवारको यहां पुरुषों के ८७ किग्रा वर्ग में कांस्य पदक जीता जबकि निशा दहिया प्रतियोगिता के पहले ही दिन हारकर बाहर हो गयी। सुनील ने फिलीपीन के राबर्टस कालम जानस्टन को तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर हराकर कांस्य पदक जीता। उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी का दाहिना हाथ बांधकर पटखनी देते हुए ४-० से बढ़त बना ली। रक्षात्मक खेल रहे जानस्टन को 'पार टेरे' पोजिशन से जमीन पर गिराते हुए सुनील ने स्कोरिंग मूव बनाते हुए जीते ही पोरियड में मुकाबला जीत लिया। कुश्ती के खेल में 'पार टेरे' ऐसी पोजिशन है जहां एक पहलवान रक्षात्मक रूप से जमीन पर लेटा है या अपने घुटनों और हाथों के बल से और दूसरा पहलवान उसके ऊपर आक्रामक स्थिति में होता है। सुनील ने हांगझोउ में

२०२३ खेलों में भी कांस्य पदक जीतकर ग्रीको रोमन शैली में भारत का पदक का १३ साल का इंतजार खत्म किया था। इससे पहले रविंदर सिंह और सुनील कुमार ने २०१० में ग्वांगझू खेलों में कांस्य पदक जीता था। हरियाणा के २७ वर्ष के सुनील सेमीफाइनल में जापान के ताजुजी योशिडा से तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर हार गये थे। सुनील ने कांस्य जीतने के बाद कहा कि मैं खुश हूँ लेकिन संतुष्ट नहीं हूँ। मैंने एशियाई खेलों में कांस्य पदक पहले भी जीता है। जापानी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ गलती का मैंने खामियाजा भुगता। तकनीकी की बजाय दमकवा का अधिक प्रयोग किया। महिलाओं के ६८ किग्रा वर्ग के प्री क्वार्टर फाइनल में निशा को एक बार फिर उत्तर कोरिया की सोल गुम फाक के हाथों शिकस्त झेलनी पड़ी। निशा को पेरिस ओलम्पिक के क्वार्टर फाइनल में भी पाक के हाथों हार मिली थी। निशा ने मुकाबले में २-० की बढ़त बनायी थी लेकिन पाक ने चार अंक का दांव लगाकर पहले पोरियड के अंत तक ४-२ की बढ़त हासिल कर ली। दूसरे पोरियड में निशा ने दो अंक लेकर



स्कोर ४-४ से बराबर कर दिया। इसके बाद कोई भी पहलवान अंक नहीं बना सकी और बड़े दांव के आधार पर पाक को विजेता घोषित किया गया। पाक ने फाइनल में जगह बनाकर निशा के लिए रेपेचेज का रास्ता खोला लेकिन भारतीय पहलवान इस मौके का फायदा नहीं उठा सकीं और दक्षिण कोरिया की पार्क ह्योनयांग के खिलाफ 'फाल' से हार गयीं। निशा को पेरिस ओलम्पिक के क्वार्टर फाइनल में भी पाक के हाथों हार मिली थी। उस मुकाबले में निशा ८-२ से आगे थीं लेकिन कोरिया में चोट लगने के कारण मुकाबला ८-१० से गंवा बैठी थीं।

पुरुष हाकी भारत सेमीफाइनल में पाकिस्तान से भिड़ेगा

काकामिगाहारा (एजेन्सियां)। गत चैम्पियन भारत गुरुवार को यहां एशियाई खेलों के पुरुष हाकी सेमीफाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले के साथ अंतरराष्ट्रीय हाकी की सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्विताओं में से एक को फिर जीवंत करेगा तो टीम की नजरें २०२८ लास एंजेलिस ओलम्पिक के लिए सीधे क्वालीफिकेशन हासिल करने पर भी टिकी होंगी। एशियाई खेलों का स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम सीधे लास एंजेलिस ओलम्पिक के लिए क्वालीफाई करेगी और भारत इस मौके को गंवाना नहीं चाहेगा। दूसरे सेमीफाइनल में मलयेशिया का सामना दक्षिण कोरिया से होगा। इसी साल विश्वकप में निराशाजनक अभियान में सातवें स्थान पर रहने के बाद भारत ने एशियाई खेलों में अब तक अजेय प्रदर्शन किया है। टीम ने पूरा प में अपने सभी पांच मुकाबले जीतकर शीर्ष स्थान हासिल किया। भारत ने अपने अभियान की शुरुआत इंडोनेशिया के खिलाफ १३-१ की जीत से की। इसके बाद श्रीलंका को १६-१ से हराया। इसके बाद दक्षिण कोरिया के खिलाफ ८-२ से जीत दर्ज की और फिर मेजबान जापान को २-० से हराया जो पूल चरण का उसका सबसे बड़ा मुकाबला रहा।

लवलीना स्वर्णके करीब, प्रिया और कपिल को कांस्य



नागोया (एजेन्सियां)। एशियन गेम्स मुक्केबाजी में ओलम्पिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन ने फाइनल में जगह बना ली है और अब उनकी नजरें मुक्केबाजी में स्वर्ण जीतने पर होंगी। वहीं, प्रिया घंघस को सेमीफाइनल में हार मिली और उन्हें कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। पुरुषों में कपिल पोखरिया का भी सफर कांस्य पर थम गया। उन्हें भी सेमीफाइनल में हार मिली। महिला ७५ किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में लवलीना ने कजाखस्तान की नताल्या बोगदानोवा को स्प्लिट डिसीजन से

३-२ से हराया। लवलीना को मुकाबले का पहला राउंड २-३ से गंवाना पड़ा था। मुकाबला काफी निर्यात रहा और दोनों मुक्केबाजों ने संभलकर शुरुआत की। जजों का फैसला भी करीबी रहा। हालांकि इसके बाद लवलीना ने अपनी रणनीति बदली और अगले दोनों राउंड अपने नाम कर मुकाबला जीत लिया। भारतीय मुक्केबाज ने आक्रामकता बढ़ाई और दूसरे राउंड में वापसी की। लवलीना ने अपने पंचों की गति और सटीकता बढ़ाते हुए मुकाबले पर पकड़ बनायी। तीसरे

स्ववैश : भारत की दोनों टीमों सेमीफाइनल में

नागोया (एजेन्सियां)। भारतीय पुरुष और महिला टीमों ने बुधवार को क्रमशः कुवैत और सिंगापुर को हराकर एशियन गेम्स की स्ववैश प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में जगह बना ली। इस तरह से दोनों टीमों ने अपने लिए पदक पक्के कर लिए। शीर्ष वरीयता प्राप्त आठ गत चैम्पियन भारतीय पुरुष टीम ने क्वार्टर फाइनल में कुवैत पर २-० से जीत हासिल की। अभय और वीर चोटरानी ने पहले एकल मुकाबले में बरद अलमगरेबी के खिलाफ काफी पसीना बहाया, लेकिन आखिर में वह ३४ मिनट तक चले मैच में १२-१०, ८-११, ११-०, ११-५ से जीत हासिल करने में सफल रहे। भारत के शीर्ष रैंकिंग वाले खिलाड़ी और एकल में रजत पदक जीतने वाले अभय सिंह ने दूसरे एकल में अमर अलमिमी पर ११-३, ११-४, ११-८ से जीत दर्ज कर टीम को सेमीफाइनल में सिंगापुर को २-० से हराया। भारत की तरफ से तन्वी खन्ना ने शुरुआत करते हुए पहले एकल मैच में और येओंग वाई इयन को ३२ मिनट में ११-६, ४-११, १५-२३, ११-१ से पराजित कर दिया। स्थितिगत स्पर्धा में रजत पदक जीतने वाली अनाहत ने दूसरे एकल मुकाबले में केवल २२ मिनट में औ योग वाई यानको ११-७, ११-३, ११-४ से हराकर भारतको सेमीफाइनलमें पहुंचा दिया।

भारत ईस्पोर्ट्स लीजेंड स्पर्धा से बाहर

नागोया (एजेन्सियां)। एशियाई खेलों की ईस्पोर्ट्स स्पर्धा में एसओएफ (लीग आफ लीजेंड्स) स्पर्धा में ग्रुप बी के तीनों मैच हारकर बुधवार को भारत की चुनौती समाप्त हो गयी। भारतीय टीम को हांगकांग, दक्षिण कोरिया और चीनी ताइपे ने १-० से हराया। दोनों ग्रुप से शीर्ष दो टीमों सेमीफाइनल में पहुंची। **भारतीय पुरुष, महिला टीम शुरुआती मैच हारी** **नागोया (एजेन्सियां)।** भारतीय पुरुष और महिला सेपकटकार क्वार्टेट को बुधवार को यहां एशियाई खेलों के अपने शुरुआती ग्रुप मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा। मैपाक आयेकाम, प्रिया एलांगबाम, चाओबा ओइनाम और मालेमंगनबी की महिला टीम वियतनाम से ७-१५, ८-१५ से हार गयी जिसके बाद उसे फिलीपींस से १७-१६, १६-१०, १०-१५, १२-१५ से हार का सामना करना पड़ा। वहीं राम कुमार शर्मा, मालेमंगनबा सोरोखेबाम, बाबी कुमार और आकाश युमनाम की पुरुष चौकड़ी को अपने अभियान की शुरुआत में लीओ से १-१५, ८-१५ से हार मिली। भारतीय पुरुष टीम अब वियतनाम से भिड़ेगी। सेपकटकार १९९० से खेलों के कार्यक्रम का हिस्सा रहा है। भारत २००६ चरण से इसमें भाग ले रहा है।

गिलके दोहरे अजेय शतकसे वेस्टइण्डीज परस्त

दूसरा एकदिनी : कैपबेल, होप और जांगू के शतक पर फिरा पानी, भारत आठ विकेट से जीता

गुवाहाटी (आससे)। कसान शुभमन गिलके विस्फोटक दोहरे शतक (अजेय २२३) तथा फार्म में लौटे हिटमैन रोहित शर्मा (१०१) के साथ उनकी १५८ गेंदों में पहले विकेटके लिए की गयी २५५ रनों की साझेदारी के दमपर भारतने वेस्टइंडीजके गेंदबाजों के हौसले पस्त करते हुए बुधवारको यहां दूसरा एकदिनी मुकाबला आठ विकेटसे जीतकर तीन मैचों की श्रृंखला पर कब्जा जमा लिया। श्रृंखला का अंतिम मैच शनिवार को न्यू चण्डीगढ़में खेला जायेगा। रोहितने आउट होमेसे पहले ७५ गेंदों में १० चौके और छह छक्के की सजी पारी खेलकर जीतकी आधारशिला रखी। वे इस दौरान ११ हजार रन पूरा करने वाले तीसरे भारतीय बने। दूसरे छोर पर गिलका बल्ला रन उगलता रहा। उन्होंने विकेट कोहली (२९) के साथ दूसरे विकेट के लिए ३५ गेंद में ६५ रन और रितुराज गायकवाड़ के साथ तीसरे विकेटके लिए ६८ गेंद में ८६ रन की अटूट साझेदारी कर भारतका स्कोर ४३.३ ओवरमें दो विकेट पर ४०६ रन कर दिया। गिल ने कैरियर की सर्वश्रेष्ठ पारी खेलते हुए १३३ गेंदमें २६ चौके और आठ गगनचुंबी छक्के जड़े। वहीं गायकवाड़ ने ३७ गेंदमें दो चौके की



मददसे ३१ रनकी अजेय पारी खेली। इससे पहले जान कैपबेल (१०१), शाई होप (१०४) और अमीर जांगू (११४) के तूफानी शतकों की मददसे वेस्टइंडीजने भारतीय गेंदबाजोंकी कलाई खेलते हुए रनोंका अम्बार खड़ा कर दिया। बरसापारा स्टेडियम में टास जीत

(नौ) को नमनधीर के हाथों आउट कर दिया। मगर इसके बाद वेस्टइंडीज के बल्लेबाजोंने भारतीय आक्रमण की धमजाने डारी। सलामी बल्लेबाज जॉन कैम्पबेल ने ६८ गेंद में नौ चौके, पांच छक्के की मदद से १०१ रन की विस्फोटक पारी खेली। वह १९वें ओवर में १४वें के स्कोर पर गुरनुर का शिकार हुए। इसके बाद भी वेस्टइंडीज के रनों को रफ्तार कम नहीं हुई। फार्म में लौटे कप्तान और विकेटकीपर बल्लेबाज साई होप ने भी ९१ गेंद में आठ चौके, तीन छक्के की मदद से दमदार शतक ठोक दिया। अमीर जांगू तो सबसे आगे निकले। उन्होंने हर भारतीय गेंदबाजों की कलाई खेलते हुए मात्र ७७ गेंद में १३ चौके और तीन छक्के लगाये। अंत में रोमन चौर (अजेय २९) और समर जोसफ (अजेय १४) ने तेज पारी खेलकर अपनी टीम का स्कोर ५० ओवर के बाद ४०५ रन पहुंचा दिया। गुरनुर बार ने २-२ विकेट लिए जबकि प्रसिद्ध कृष्णा को एक विकेट मिला। पदार्पणमें आंकिक नवी ने काफी निराश किया। उन्होंने ८५ ओवर में बिना विकेट लिए ८४ रन लुटाये।

भारत-श्रीलंका सेमीफाइनलमें मौसम चर्चाका विषय बना

निशिन (एजेन्सियां)। भारत की मजबूत टीम और श्रीलंका की दूसरी श्रेणी की टीम के बीच एशियाई खेलों में गुरुवार को यहां होने वाले पुरुष क्रिकेट सेमीफाइनल से पहले खराब मौसम चर्चा का विषय बना हुआ है जिसके कारण दोनों टीम क्वार्टर फाइनल का अपने-अपने मैच नहीं खेल पायी और उन्हें अभ्यास करने का भी मौका नहीं मिला। ऐसी परिस्थितियों में अगर मौसम ठीक रहा और मैच बिना किसी व्यवधान के खेला जाता है तो दोनों टीम को जल्द से जल्द परिस्थितियों से सामंजस्य बिजाना होगा। नागोया पहुंचने के बाद से भारी बारिश के कारण भारतीय टीम को ज्यादा अभ्यास करने का मौका नहीं मिला है। सेमीफाइनल से ठीक पहले आसमान में गुरुवार और शुक्रवार को भी मौसम साफ रहने की भविष्यवाणी है लेकिन फाइनल के दिन यानि शनिवार को बारिश आ सकती है। बारिश के कारण चारों क्वार्टर फाइनल मैच रह करने पड़े थे और आईसीसी रैंकिंग में बेहतर स्थान रखने वाली टीम ने सेमीफाइनल में जगह बनायी थी। सेमीफाइनल में पहुंचने वाली चारों टीमें अभी तक प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं ले पायी हैं। दूसरा सेमीफाइनल पाकिस्तान

महिला हाकी दक्षिण कोरिया को २-० से हराया

कूछ मिनटों में ही पेनल्टी कार्नर हासिल किया लेकिन इसे गोल में नहीं बदल पाये। इस दौरान कोरिया का अच्छा डिफेंस देखने मिला। भारत ने कोरिया का डिफेंस भेदकर गोल दागने की कोशिश की लेकिन सफलता नहीं मिली। पहले क्वार्टर में भारत को कुल नौ पेनल्टी कार्नर मिले लेकिन एक भी गोल में नहीं बदल सका। पहला क्वार्टर गोलरहित बराबरी पर समाप्त हुआ। दूसरे क्वार्टर में भी यही स्थिति देखने मिली और पहले हाफ तक मुकाबला बराबरी पर ही रहा। दोनों के बीच बेहद ही करीबी मुकाबला चल रहा था। इस दौरान रेफरी ने ३०वें मिनट में बलजीत

मुक्केबाजी

हुआ। निशियो जिम्मेजियम में हुए मुकाबले में प्रिया ने आक्रामक अंदाज में शुरुआत की लेकिन यांग ने अपने डिफेंस से भारतीय मुक्केबाज के कई हमलों को रोक। चीनी मुक्केबाज ने पहले राउंड में ३-२ और अगले दोनों राउंड में ४-१ के फैसले को हराया। प्रिया ने अंतिम राउंड में वापसी की कोशिश की, लेकिन यांग ने अपनी बढ़त कायम रखते हुए मुकाबला ४-१ से अपने नाम कर लिया। सेमीफाइनल से पहले प्रिया ने शानदार प्रदर्शन किया था। क्वार्टर फाइनल में उन्होंने ताजिकिस्तान की मिजगोना समदोवा को ५-० से हराया था। इससे पहले प्री-क्वार्टर फाइनल में उन्होंने दक्षिण कोरिया की दो बार की विश्व पदक विजेता ओह येओजी को हराकर बड़ा उलटफेर किया था। प्रिया २०२६ कामनवेल्थ गेम्स और २०२६ एशियन एलीट बाक्सिंग चैम्पियनशिप में भी स्वर्ण पदक जीत चुकी हैं। भारत को मुक्केबाजी में आज एक और कांस्य मिला। कपिल पोखरिया ने पुरुषों के ९० किग्रा भारवर्ग में कांस्य जीता। उन्हें सेमीफाइनल में उज्बेकिस्तान के तुराबेक खाबीबुलाएव ने स्प्लिट डिसीजन से ४-१ से हरा दिया।

पुरुष क्रिकेट

और बंगलादेश के बीच खेला जायेगा। लगातार दो बार के टी-२० विश्वकप विजेता भारत स्वर्ण पदक का प्रबल दावेदार है और अगर मौसम ने साथ दिया तो श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली टीम को यह मैच जीतने में किसी तरह की परेशानी नहीं होनी चाहिए, क्योंकि श्रीलंका अपनी सर्वश्रेष्ठ टीम के साथ नहीं उतरी है। लीग के मैचों में कम स्कोर बने और बारिश के कारण पिच के धीमा होने की संभावना है। भारत २० सितम्बर को जापान पहुंचे था और तब से उसे टोक्यो के पास जापान के खिलाफ मैच खेलने का मौका मिला जो पांच-पांच ओवर का था। बारिश के कारण फाइनलिस्टान के खिलाफ रद्द क्वार्टर फाइनल से पहले अय्यर ने स्वीकार किया था कि खराब मौसम के कारण टीम को अभ्यास करने का मौका नहीं मिला है लेकिन इसके साथ ही उन्होंने कहा कि पेशेवर होने के नाते किसी तरह का बहाना नहीं बनाया जा सकता है। अगर सेमीफाइनल भी बारिश के कारण रद्द हो जाता है तो आईसीसी रैंकिंग में पहले स्थान पर होने के आधार पर भारत फाइनल में पहुंच जायेगा।